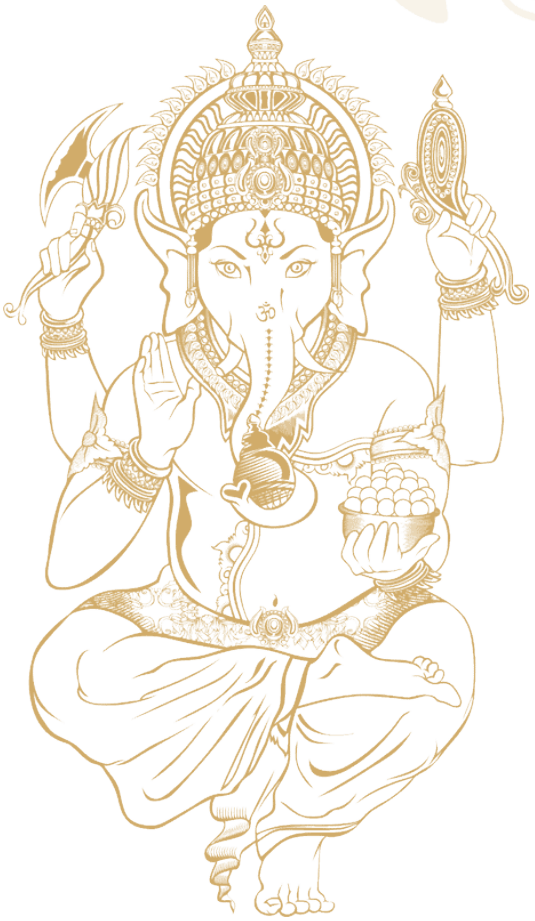

Mr.

17 Jan 2026

04:41 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120957305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:41:00 घंटे**
इष्ट	23:34:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:19:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:01 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:26 घंटे
सूर्योदय	07:15:00 घंटे
सूर्यास्त	17:47:42 घंटे
दिनमान	10:32:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:07:21 मकर
लग्न के अंश	19:39:46 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:39:46	314:43:34	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			मक	03:07:21	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	17:39:17	12:15:36	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मक	01:10:16	00:46:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	00:25:47	01:38:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:55:58	00:07:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	05:41:49	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	03:06:11	00:04:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:26:57	00:08:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:26:57	00:08:04	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:22:19	00:00:55	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:33:41	00:01:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:00:34	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	07:48:11	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

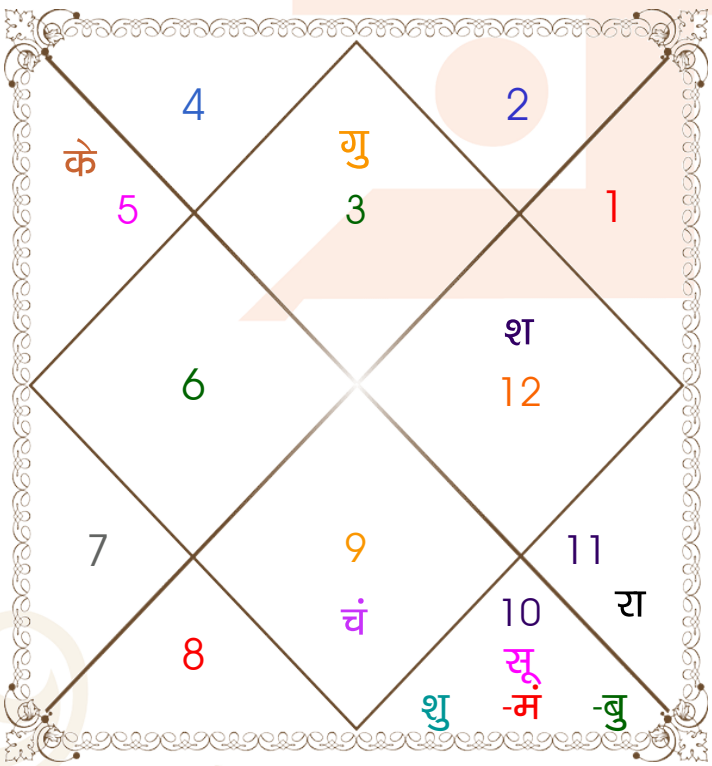

चन्द्र कुंडली

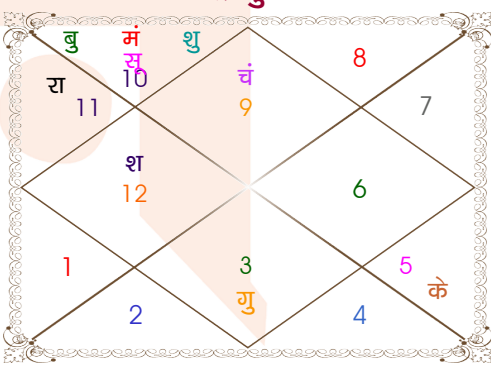

नवमांश कुंडली

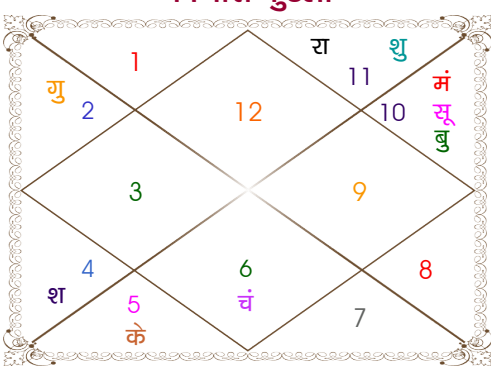

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 6 मास 6 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/01/2026		26/07/2039		25/07/2045		26/07/2055		25/07/2062	
26/07/2039		25/07/2045		26/07/2055		25/07/2062		25/07/2080	
	00/00/0000	सूर्य	12/11/2039	चंद्र	26/05/2046	मंगल	22/12/2055	राहु	07/04/2065
	00/00/0000	चंद्र	13/05/2040	मंगल	25/12/2046	राहु	08/01/2057	गुरु	31/08/2067
	17/01/2026	मंगल	18/09/2040	राहु	24/06/2048	गुरु	15/12/2057	शनि	07/07/2070
मंगल	24/09/2026	राहु	12/08/2041	गुरु	24/10/2049	शनि	24/01/2059	बुध	24/01/2073
राहु	24/09/2029	गुरु	01/06/2042	शनि	26/05/2051	बुध	21/01/2060	केतु	11/02/2074
गुरु	25/05/2032	शनि	14/05/2043	बुध	24/10/2052	केतु	18/06/2060	शुक्र	11/02/2077
शनि	26/07/2035	बुध	19/03/2044	केतु	25/05/2053	शुक्र	18/08/2061	सूर्य	06/01/2078
बुध	26/05/2038	केतु	25/07/2044	शुक्र	24/01/2055	सूर्य	24/12/2061	चंद्र	07/07/2079
केतु	26/07/2039	शुक्र	25/07/2045	सूर्य	26/07/2055	चंद्र	25/07/2062	मंगल	25/07/2080

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/07/2080		25/07/2096		27/07/2115		26/07/2132		27/07/2139	
25/07/2096		27/07/2115		26/07/2132		27/07/2139		00/00/0000	
गुरु	12/09/2082	शनि	29/07/2099	बुध	22/12/2117	केतु	22/12/2132	शुक्र	25/11/2142
शनि	25/03/2085	बुध	08/04/2102	केतु	19/12/2118	शुक्र	21/02/2134	सूर्य	25/11/2143
बुध	01/07/2087	केतु	18/05/2103	शुक्र	19/10/2121	सूर्य	29/06/2134	चंद्र	26/07/2145
केतु	06/06/2088	शुक्र	17/07/2106	सूर्य	26/08/2122	चंद्र	28/01/2135	मंगल	18/01/2146
शुक्र	05/02/2091	सूर्य	29/06/2107	चंद्र	25/01/2124	मंगल	26/06/2135		00/00/0000
सूर्य	24/11/2091	चंद्र	28/01/2109	मंगल	21/01/2125	राहु	14/07/2136		00/00/0000
चंद्र	25/03/2093	मंगल	08/03/2110	राहु	11/08/2127	गुरु	20/06/2137		00/00/0000
मंगल	01/03/2094	राहु	12/01/2113	गुरु	16/11/2129	शनि	29/07/2138		00/00/0000
राहु	25/07/2096	गुरु	27/07/2115	शनि	26/07/2132	बुध	27/07/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।